P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-6, ISSUE-4, May- Supplementary Issue - 2018
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

प्रतापगढ़ जनपद में परिवहन तन्त्र एवं संचार व्यवस्था : एक भौगोलिक अध्ययन

सारांश

वर्तमान समय में नियोजित विकास ही हमारे समाज को सही दिशा दे सकती है। परिवहन तंत्र एवं संचार का नियोजन प्रदेशों के निर्धारण में प्रमुख भूमिका अदा कर रहे हैं जिसके द्वारा सामाजिक आर्थिक विकास की धारा प्रवाहित होती है। यातायात एवं संचार व्यवस्था क्षेत्रीय असन्तुलन को दूर करने एवं संतुलित विकास में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यह बाजार की प्रगति एवं उद्योगों के स्थानीयकरण में सहायक होता है। प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र प्रतापगढ़ जनपद के परिवहन तंत्र सड़क, रेल, परिवहन एवं संचार सुविधाओं (डाक, तार एवं दूरभाष) का अध्ययन प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य शब्दः संचार, यातायात, उद्योग, विकास, सामाजिक।

अनुज सिंह
शोध छात्र,
भूगोल विभाग,
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल
विश्वविद्यालय,
जौनपुर, उ0प्र0

प्रस्तावना

परिवहन के साधन किसी क्षेत्र के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते है। परिवहन एक ऐसा महत्वपूर्ण साधन है जो किसी पिछड़े क्षेत्र के आर्थिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में तीव्र परिवर्तन लाने की सुविधा प्रदान करता है। वस्तुतः आर्थिक तंत्र के प्रत्येक घटक में परिवहन तंत्र शिराओं की तरह विस्तृत होते हैं जिसमें व्यापारिक यातायात का सुधार रूप से प्रवाह होता रहता है। वास्तव में परिवहन तंत्र विभिन्न क्षेत्रों के मध्य पारस्परिक सम्बन्धों काभाव है तथा भूगोल का एक प्रमुख तत्व है संचार के क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रगति ने वर्तमान समय को सूचना क्रान्ति के युग के रूप में परिभाषित किया है। व्यवसाय, उद्योग, वाणिज्य का विकास तथा संचार प्रगति में गहरा अन्तर्सम्बध है। जैसे–जैसे व्यावसायिक जगत् का विकास होता है लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप संचार माध्यमों के नवीन स्वरूपों की खोज एवं उनका विस्तार हो रहा है।

साहित्यावलोकन

प्रस्तुत शोध प्रपत्र के लिए निम्न साहित्यों का अध्ययन किया गया है जिनमें संजय सिंह (2012) समन्वित क्षेत्रीय विकास में सेवा केन्द्रों का योगदान, सांख्यकीय पत्रिका (2016) प्रतापगढ़ जनपद, एस0डी0 मौर्या, मानव भूगोल (2010), जगदीश सिंह (1997), परिवहन एवं व्यापार भूगोल, Uttar Pradesh Geographical Journals (2011), भूगाल और आप (मार्च–अप्रैल–2017), योजना पत्रिका, (जुलाई–2016)।

अध्ययन क्षेत्र

जनपद प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश का दक्षिण–पूर्वी भाग है जिसका विस्तार $25^{0}34'$ से $36^{0}11'$ उत्तरी अक्षांश तथा $81^{0}19'$ से $82^{0}17'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। इस जनपद की लम्बाई पश्चिम से पूर्व 115 किमी0 तथा चौड़ाई उत्तर से दक्षिण 40 किमी0 है। प्रतापगढ़ की उत्तरी सीमा सुल्तानपुर जनपद, पूर्वी सीमा जौनपुर जनपद, दक्षिणी सीमा इलाहाबाद जनपद, दक्षिणी–पश्चिमी सीमा कौशाम्बी जनपद तथा पश्चिमी सीमा रायबरेली जनपद द्वारा निर्धारित होती है अध्ययन क्षेत्र का औसत समुद्र तल की ऊँचाई 107 मीटर है। जनपद में 5 तहसीलें तथा 17 विकास खण्ड हैं।

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-6, ISSUE-4, May- Supplementary Issue - 2018
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

प्रतापगढ़ जनपद (उ0प्र0)

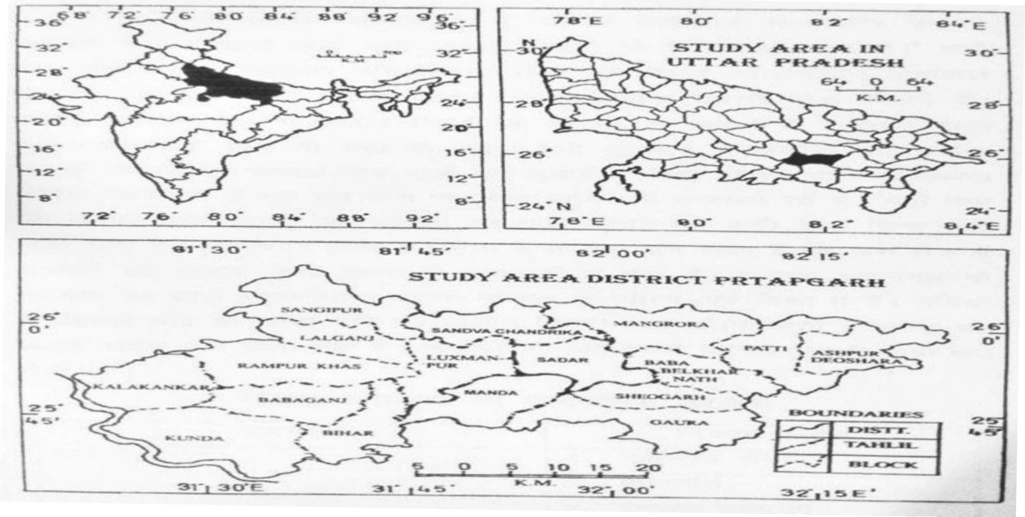

अध्ययन का उद्देश्य

1. प्रतापगढ़ जनपद में परिवहन तंत्र का अध्ययन करना।
2. प्रतापगढ़ जनपद के संचार व्यवस्था का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि

शोध–पत्र में द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग किया गया है। शोधकार्य से सम्बन्धित द्वितीयक आंकड़ों का संकलन जिला सांख्यकीय पत्रिका के तथ्यों के आधार पर किया गया है। चयनित आँकड़ों तथा प्रतिदर्शों को विभिन्न घटनाओं एवं वितरणों के आधार पर एकत्र कर विभिन्न चरणों के परिपेक्ष्य में उनका विश्लेषण किया गया है।

अध्ययन क्षेत्र में परिवहन तन्त्र

वर्तमान परिवहन प्रगति स्त्रोत हैं जिनमें रेल, सड़क, नौसंचालन और वायु परिवहन आदि शामिल है। किन्तु प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था को दो भागों में विभाजित हैः–

1. सड़क परिवहन
2. रेल परिवहन

अध्ययन क्षेत्र में सड़क परिवहन

अध्ययन क्षेत्र में जनपद प्रतापगढ़ में 2015–16 में लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत प्रादेशिक राज्य मार्ग 148 कि0मी0 एवं ग्रामीण सड़के 3917 किमी0 हैं। इसी प्रकार स्थानीय निकायों के अन्तर्गत जिला पंचायत 543 कि0मी0 एवं नगर निगम, नगर पालिका/नगर पंचायत के अन्तर्गत 07 किमी0 हैं। अन्य विभागों के अन्तर्गत सिंचाई विभाग 20 किमी0 तथा अन्य विभागों के अन्तर्गत 52 किमी0 हैं।

प्रतापगढ़ जनपद की पक्की सड़कों की लम्बाई (किमी0 में)
(वर्ष 2015–16)

क्र.सं.	मद	2015–16
	लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत	
1.	राष्ट्रीय राजमार्ग	0
2.	प्रादेशिक राजमार्ग	148
3.	मुख्य जिला सड़कें	164
4.	अन्य जिला तथा ग्रामीण सड़कें	3917
	योग	**4229**
	स्थानीय निकायों के अन्तर्गत	
1.	जिला पंचायत	543
2.	नगर निगम/नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत/ कैन्ट	7
	योग	**550**
	अन्य विभागों के अन्तर्गत	
1.	सिंचाई विभाग	20
2.	गन्ना विभाग	0
3.	वन विभाग	0
4.	डी.जी.बी.आर	0
5.	अन्य विभाग	152
	योग	**172**

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-6, ISSUE-4, May- Supplementary Issue - 2018
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

प्रमुख प्रान्तीय मार्ग

जनपद में इनकी लम्बाई लगभग 148 कि0मी0 है। प्रतापगढ़ में चार प्रान्तीय मार्ग है। जो इस प्रकार है–

इलाहाबाद–फैजाबाद मार्ग

यह मार्ग इलाहाबाद से प्रतापगढ़ होता हुआ फैजाबाद तथा आगे अतरौला तक गया है। इस मार्ग पर देल्हूपुर, विश्वनाथगंज, राजगढ़, भुपियामऊ, चिलबिला और कोहड़ौर बाजार पड़ते हैं।

वाराणसी–लखनऊ मार्ग

यह इस जिले का प्रमुख मार्ग है। इसके दोनों किनारे छायादार वृक्ष लगे हैं। जिले में इसकी लम्बाई 80 कि0मी0 है।

इलाहाबाद–उन्नाव मार्ग

यह मार्ग जिले के दक्षिणी पश्चिमी भाग से होकर जाता है।

प्रतापगढ़–जौनपुर मार्ग

यह जिले की पट्टी तहसील से होकर जाने का एक मात्र मार्ग है।

जनपदीय मार्ग

जिले के प्रमुख जनपदीय मार्ग निम्नलिखित है–

प्रतापगढ़ कुण्डा

यह मार्ग लगभग 56 कि0मी0 लम्बा है। यह प्रतापगढ़ सिटी से लेकर हीरागंज होता हुआ कुण्डा तक जाता है।

जेठवारा–लालगोपालगंज मार्ग

यह मार्ग जिले के जेठवारा से बिहार होता हुआ लालगोपालगंज तक गया है। इसे राम गमन मार्ग भी कहते हैं।

लालगंज–कालाकांकर मार्ग

यह मार्ग लालगंज अझारा से कालाकांकर तक जाता है।

प्रतापगढ़–अठेहा मार्ग

यह मार्ग चिलबिला से उदयपुर होते हुए अठेहा तक जाता है।

लालगंज–सांगीपुर मार्ग

यह मार्ग लालगंज अझारा से घुइसरनाथ होता हुआ सई नदी पार कर सांगीपुर तक जाता है।

डेरवा–धारूपुर मार्ग

यह मार्ग डेरवा से चौरास, भगवतीगंज होते हुए रामपुर बावली तक गया है।

पट्टी–सैफाबाद मार्ग

यह मार्ग पट्टी से मुजाही, सैफाबाद होते हुए चाँदा, कादीपुर तक गया है।

इसके अतिरिक्त अध्ययन क्षेत्र जनपद प्रतापगढ़ में कुछ छोटी सड़कें भी हैं, जो एक दूसरे से गाँव तथा बाजार को जोड़ती हैं।

जनपद प्रतापगढ़ में मुख्य सड़कें एवं रेल लाइन

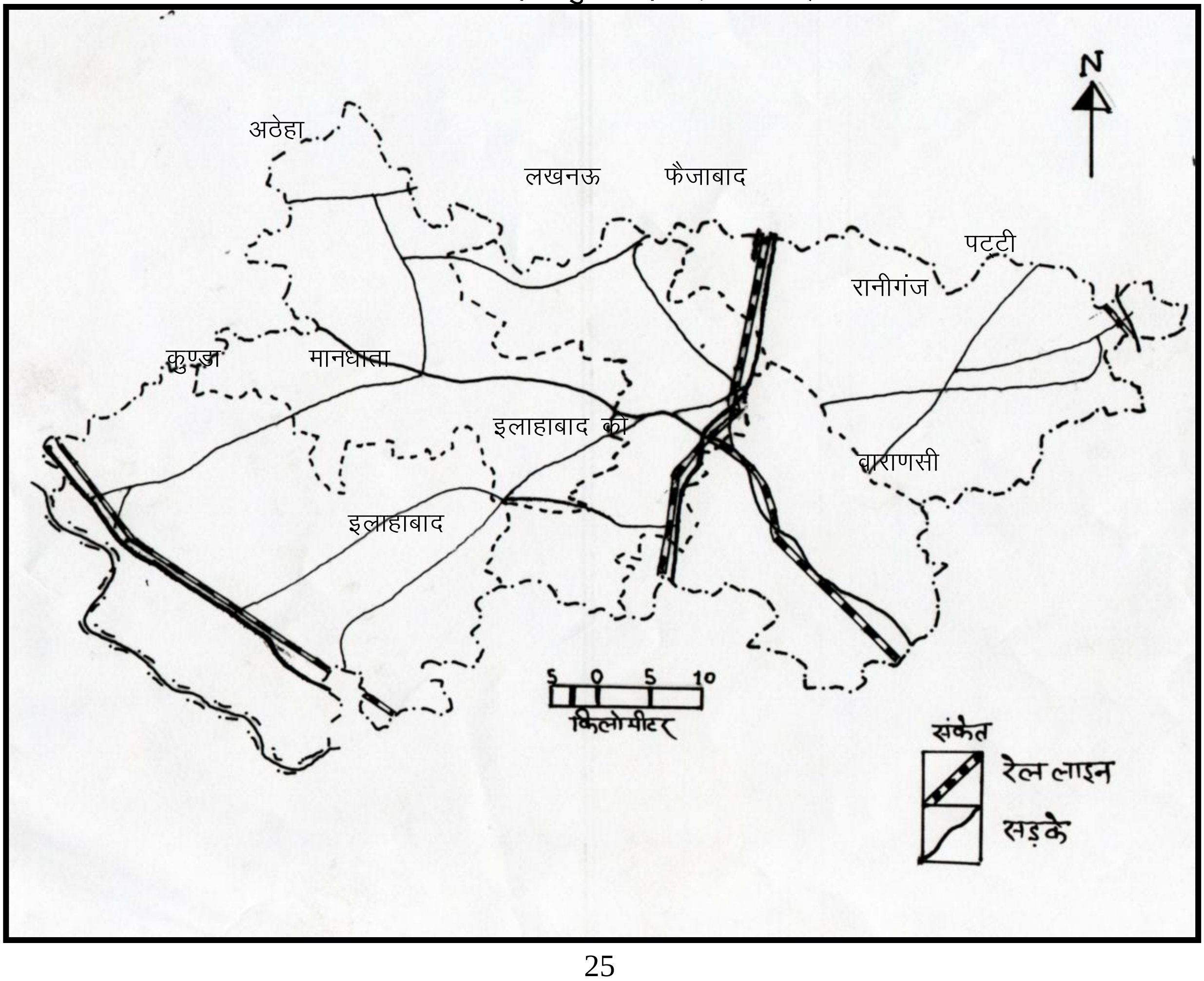

P: ISSN No. 2231-0045 RNI No. UPBIL/2012/55438 VOL.-6, ISSUE-4, May- Supplementary Issue - 2018
E: ISSN No. 2349-9435 Periodic Research

(वर्ष–2015–16)

क्र.सं.	विकास खण्ड	पक्की सड़क की लम्बाई
1.	कालाकांकर	287
2.	बाबागंज	290
3.	कुण्डा	292
4.	बिहार	280
5.	सांगीपुर	276
6.	लालगंज	266
7.	लक्ष्मणपुर	274
8.	संडवा चन्द्रिका	250
9.	प्रतापगढ़ सदर	304
10.	मान्धाता	271
11.	मंगरौरा	301
12.	पट्टी	290
13.	आसपुर देवसरा	292
14.	शिवगढ़	305
15.	गौरा	292
16.	रामपुर संग्रामगढ़	301
17.	बाबा बेल्खरनाथ	374
	योग ग्रामीण	**4945**
	योग नगरीय	**0**
	योग जनपद	**4951**

अध्ययन क्षेत्र में रेल परिवहन

अध्यक्षन क्षेत्र का आर्थिक विकास संचार के समुचित साधनों एवं माध्यमों की सुविधाओं पर निर्भर करता है। गाँवों में संचार की सुविधाओं एवं सेवाओं का होना केवल आर्थिक ही नहीं अपितु समग्र विकास एवं राष्ट्र की भावनात्मक एकता बनाए रखने तथा अलगाव की प्रवृत्ति को दूर करने के लिए आवश्यक है। शोधार्थी ने संचार सुविधाओं के अन्तर्गत डाक, तार एवं दूरभाष की सुविधा को सम्मिलित किया है।

जनपद–प्रतापगढ़ की विकासशील अर्थव्यवस्था में संचार व्यवस्थाओं का भी अपना एक अलग योगदान है। जनपद में इसकी पूर्ति हेतु 363 डाक घरों में 348 ग्रामीण तथा 15 नगरीय क्षेत्र में हैं। जो कि सन्देश वाहक धनादेश के अतिरिक्त राष्ट्रीय बचत योजना महत्वपूर्ण कार्य भी सुचारू रूप से कर रहे हैं। जनपद में इसी तरह विकासखण्डवार वर्ष 2015–16 के आँकड़ों पर निम्न तालिका द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है–

सारणी संख्या–2.25
जनपद में विकासखण्डवार संचार सेवाएँ
वर्ष–2015–16

क्र.सं.	विकास खण्ड	डाकघर	तार घर	पी.सी.ओ.	टेलीफोन
1.	कालाकांकर	15	0	30	84
2.	बाबागंज	6	0	10	38
3.	कुण्डा	22	0	24	75
4.	बिहार	34	0	48	147
5.	सांगीपुर	25	0	26	92
6.	लालगंज	17	1	28	85
7.	लक्ष्मणपुर	25	0	18	71
8.	सण्डवा चन्द्रिका	30	0	77	198
9.	सदर	26	0	247	153
10.	मान्धाता	16	0	125	440
11.	मंगरौरा	18	0	23	81
12.	पट्टी	14	0	33	74
13.	आसपुर देवसरा	22	0	54	188
14.	शिवगढ़	24	1	20	46
15.	गौरा	14	0	55	103
16.	रामपुर संग्रामगढ़	13	0	26	50
17.	बाबा बेलखरनाथ	27		26	69
	योग ग्रामीण	**348**	**0**	**870**	**1994**
	योग नगरीय	**15**	**0**	**158**	**2200**
	योग जनपद	**363**	**0**	**1028**	**4194**

अध्ययन क्षेत्र की संचार व्यवस्था

अध्ययन क्षेत्र में रेल परिवहन की सुविधा पर्याप्त हैं। यहाँ तहसील सदर में प्रतापगढ़ इलाहाबाद एवं प्रतापगढ़, लखनऊ रेलवे लाइनहै। जिनमें से प्रतापगढ़, इलाहाबाद उत्तर रेलवे तथा प्रतापगढ़–वाराणसीं मध्य पूर्व रेलवे की शाखा है, जो उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व को

140 कि0मी0 की लम्बाई में विस्तृत है। अध्ययन क्षेत्र जनपद प्रतापगढ़ जिले में चार रेलवे मार्ग होकर जाते हैं। जिन पर हाल्ट सहित पन्द्रह रेलवे स्टेशन स्थित हैं। जिनसे रेल यातायात होता है। जनपद की कुल रेलवे लाइन की लम्बाई 140 कि0मी0 है। जो निम्न है–

1. वाराणसी – लखनऊ रेलमार्ग।
2. फैजाबाद – इलाहाबाद रेलमार्ग।
3. जौनपुर – सुल्तानपुर रेलमार्ग।
4. इलाहाबाद – रायबरेली रेलमार्ग।

निष्कर्ष

परिवहन एवं संचार आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं क्षेत्रीय समन्वय का प्रमुख कारक तत्व है। साथ ही यह संतुलित एवं समग्र विकास का प्रबल प्रेरक है। अतः परिवहन एवं संचार के साधनों को आगे तेजी से बढ़ाना होगा। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के साथ उद्योग, शिक्षा, व्यापार आदि के विकास को तेजी रफ्तार मिल सके।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *सिंह, संजय (2012): ''समन्वित क्षेत्रीय विकास में सेवा केन्द्रों का योगदानः प्रतापगढ़ का भौगोलिक अध्ययन'', पृ0 127–130*
2. *सिंह, महेन्द्र (2013): ''जनपद प्रतापगढ़ के भू–आर्थिक संसाधनों पर जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव एक भौगोलिक विश्लेषण'', पृ0 130–140*
3. *Bansal, S.C. (1994), Advanced Regional Geography of India, Minakshi Prkashan, Meerut, P. 567-568.*
4. *सिंह, जगदीश (1977): परिवहन तथा व्यापार भूगोल, उत्तर प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, लखनऊ, पृ0 15*
5. *साख्यिकीय पत्रिका (2016): जनपद प्रतापगढ़ (उ0प्र0)*
6. *नाथ, कामेश्वर (1984): परिवहन तंत्र एवं कृषि उत्पादकता का स्तरः पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक अध्ययन, उत्तर प्रदेश भारत भूगोल पत्रिका, अंक 20, संख्या 1, पृ0 24–37*